

क. अंतिम संकट की तैयारी:

❖ वचन द्वारा निर्देशित।

- अंतिम क्षणों में शैतान को वास्तविक चमत्कार करने और चालाकी भरे धोखे देने की अनुमति दी जाएगी कि वे अखंडनीय होंगे (प्रकाशितवाक्य 13:13-14; मत्ती 24:24)।
- केवल बाइबल का संपूर्ण ज्ञान, पवित्र आत्मा की सहायता, हमें सत्य में दृढ़ बने रहने देगा (2 पतरस 1:19-21)।

❖ माथे पर मुहर।

- परमेश्वर की मुहर की पहचान तीन अलग-अलग तरीकों से की जाती है:
 1. पवित्र आत्मा। सभी युगों के विश्वासियों पर उसके द्वारा मुहर लगाई जाती है (इफिसियों 4:30)।
 2. परमेश्वर का नाम, या चरित्र। विजय प्राप्त करने वाले सभी लोग इसे प्राप्त करेंगे (प्रकाशितवाक्य 14:1; 22:4)।
 3. एक पहचानने योग्य चिन्ह (प्रकाशितवाक्य 9:4; यहजेकेल 9:4)।
- परमेश्वर ने 10 आज्ञाओं में से एक पर अपनी मुहर लगा दी है, जो उसकी आराधना करने वालों के लिए एक विशिष्ट चिन्ह है (यहजेकेल 20:20)।

मुहर के घटक	उदाहरण: यूरो सिक्का (स्पेन)	सब्त (निर्गमन 20:8-11)
नाम	फिलिप VI	यहोवा
उपाधि	राजा	सृष्टिकर्ता
क्षेत्र	स्पेन	आकाश, और पृथ्वी, और समुद्र



यूरो की 20वीं वर्षगांठ की स्मृति में 10 यूरो का सिक्का

- मुहर, छाप या चिन्ह दो अलग-अलग तरीकों से प्राप्त किया जा सकता है: माथे पर या हाथ पर। जबकि विश्वासयोग्य इसे अपने माथे पर प्राप्त करेंगे, अविश्वासी इसे अपने माथे पर या अपने हाथों में प्राप्त करेंगे (प्रकाशितवाक्य 13:16)। क्या अंतर है?

1. माथा: **बौद्धिक विश्वास**। जिसकी हम आराधना करते हैं उस पर विश्वास करना
2. हाथ: **हित (लाभ कमाना)**। हम परिणामों के डर से आराधना करते हैं

- जबकि शैतान आराधना के कारणों की परवाह नहीं करता है, परमेश्वर केवल ईमानदारी से और पूर्ण आराधना स्वीकार करता है (रोमियों 12:1)।

❖ आराधाना में निष्ठावान।

- जो लोग पशु की छाप प्राप्त करने से इनकार करते हैं वे खरीद या बिक्री नहीं कर सकते हैं, और उन्हें मौत की धमकी दी जाती है (प्रकाशितवाक्य 13:15-17)। दूसरी ओर, यदि वे इसे प्राप्त करते हैं तो वे अंतिम विपत्तियाँ और "दूसरी मृत्यु" भुगतेंगे, अनन्त जीवन खो देंगे (प्रकाशितवाक्य 16:2; 14:9-11; 20:4, 13-15)।
- यदि सब्त विश्वासियों का दृश्यमान चिन्ह है, तो क्या पशु की छाप की प्रकृति समान नहीं होगी?
- चूँकि बाइबल आराधना के दिन में किसी भी बदलाव की बात नहीं करती है, रविवार को आराधना के दिन के रूप में स्वीकार करना कलीसिया के अधिकार को स्वीकार करना है जिसने परिवर्तन किया है (जिसे 666 के रूप में पहचाना गया है)।
- तो फिर हम कौन सा अधिकार स्वीकार करेंगे? किसी मानवीय संस्था का अधिकार या परमेश्वर का अधिकार, जो उसके वचन में स्पष्ट रूप से प्रकट है?

ख. ऊपर से शक्ति:

❖ अंतिम वर्षा।

- भविष्यवक्ता योएल पवित्र आत्मा के उंडेले जाने के रूपक के रूप में वर्षा का उपयोग करता है (योएल 2:23, 28)। इसी प्रकार पतरस ने भी पित्तेकुस्त के दिन अपने भाषण में इसे लागू किया (प्रेरितों के काम 2:14-17)।
- जैसे कलीसिया पवित्र आत्मा की वर्षा के साथ शुरू हुई, सुसमाचार की अंतिम उद्घोषणा, आखिरी फसल, अंतिम वर्षा के उंडेले जाने के बाद होगी: पवित्र आत्मा अंतिम पीढ़ी के विश्वासियों पर शक्ति से उंडेला गया (प्रकाशितवाक्य 18:1)।

❖ सुसमाचार का प्रचार।

- पवित्र आत्मा विश्वासियों पर शक्ति के साथ उतरेगा "जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु पर विश्वास रखते हैं।" (प्रकाशितवाक्य 14:12), और जो पहले से ही न्याय के शुरु होने की चेतावनी के साथ, सुसमाचार की घोषणा कर रहे हैं, और सृष्टिकर्ता की आराधना करने का निमंत्रण दे रहे हैं (प्रकाशितवाक्य 14:6-7)।
- इन संदेशों का सामना करते हुए, और अंतिम वर्षा की शक्ति के लिए धन्यवाद, मानवता को दो संभावनाओं के बीच चयन करना होगा: परमेश्वर की मुहर या पशु की छाप को स्वीकार करना (प्रकाशितवाक्य 14:9-11)।
- कई आवाजें अंतिम संदेश का प्रचार करेंगी। कई लोग अंत तक वफादार रहने का निर्णय लेंगे।